→ ब्रिटिश हस्तक्षेप और सत्ता का अंत :—

- British East India Company ने बंगाल, अवध और दक्षिण में हस्तक्षेप बढ़ाया।
- 1757 का प्लासी और 1764 का बक्सर युद्ध।
- 1765 में दीवानी अधिकार प्राप्ति।

अंततः 1857 के विद्रोह के बाद Bahadur Shah Zafar को निर्वासित कर मुगल साम्राज्य का औपचारिक अंत हुआ।

→ प्रमुख राजनीतिक प्रवृत्तियों का सार (Summary of Political trends):—

प्रवृत्ति	उदाहरण
केन्द्रीकरण का पतन	सम्राट की वास्तविक शक्ति समाप्त।
प्रांतीय स्वायत्तता	बंगाल, अवध, हैदराबाद का उदय।
नवीन शक्तियों का उदय	मराठा, सिख, जाट, रोहिल्ला।
विदेशी आक्रमण	नादिरशाह, अब्दाली
औपनिवेशिक हस्तक्षेप	ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी का प्रभाव।

→ इतिहासलेखन (Historiography):—

- राष्ट्रवादी इतिहासकार इसे जागीरदारी संकट (Jagirdari crisis) से जोड़ते हैं।
- राष्ट्रवादी इतिहासकार इसे "राष्ट्रीय विघटन" मानते हैं।
- आधुनिक इतिहासकार इसे राजनीतिक पुनर्संरचना (Political Reconfiguration)" मानते हैं।

Scanned with OKEN Scanner

निष्कर्ष :—

मुगल सत्ता का विघटन पूर्ण अराजकता नहीं था, बल्कि 18 वीं शताब्दी में एक राजनीतिक संतुलन का निर्माण था।

- साम्राज्य से क्षेत्रीय राज्यों की ओर संक्रमण।
- भारतीय राजनीति का विकेंद्रीकरण।
- अंततः औपनिवेशिक सत्ता के लिए मार्ग प्रशस्त

Scanned with OKEN Scanner